मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

# BSKC-104

## बी. ए. ( ऑनर्स ) संस्कृत ( बी.ए.एस.के.एच. )

## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर, 2022

## बी.एस.के.सी.-104 : गीता में आत्म-प्रबंधन

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

---

***नोट :*** *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर, संस्कृत, हिन्दी या अंग्रेजी किसी* ***एक*** *भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही हो।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 5×10=50

(क) रागद्वेषवियुक्तैस्तु विषयानिन्द्रिश्चरन्।

आत्मवश्यैर्विधेयात्मा प्रसादमधिगच्छति

(ख) बहूनि मे व्यतीतानि जन्मानि तव चार्जुन।

तान्यहं वेद सर्वाणि न त्वं वेत्थ परं तप

(ग) तानि सर्वाणि संयम्य युक्त आसीत् मत्पर:।

वशे हि यस्येन्द्रियाणि तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता

(घ) यदा संहरते चायं कूर्मोऽङ्गानीव सर्वश:।

इन्द्रियाणीन्द्रियार्थेश्यस्तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता:

(ङ) एषा ब्राह्मी स्थिति: पार्थ नैनां प्राप्य विमुह्यति।

स्थित्वाऽस्यामन्तकालेऽपि ब्रह्मनिर्वाणमृच्छति

(च) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।

मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि

(छ) नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।

न चैनं क्लेदयन्तापो न शोषयति मारुतः

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिये : 3×10=30

(i) भगवद्गीता के अनुसार आत्म-प्रबंधन के स्वरूप पर एक लेख लिखिए।

(ii) गीता के सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालिए।

(iii) गीता की प्रमुख शिक्षाओं पर विस्तारपूर्वक लिखिये।

(iv) गीता में दिये गए—पुरुषार्थ चतुष्ट्य का परिचय विस्तृत रूप से दीजिए।

(v) निष्काम कर्मयोग के अभिप्राय को स्पष्ट करते हुए उसके फल का वर्णन कीजिए।

(vi) **तीन** प्रकार के गुण कौन-कौन से होते हैं ? उनका जीवन में क्या लाभ है ?

(vii) गीता में स्थितधी की प्रशंसा पर नोट लिखिये।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $4 \times 5 = 20$

(i) भक्तियोग

(ii) गीता में आत्मतत्त्व

(iii) इन्द्रियों का अभिप्राय

(iv) स्थितप्रज्ञ

(v) आसक्ति का स्वरूप

(vi) आहार नियंत्रण